05 व 06 नवम्बर, 2009 को लखनऊ में सम्पन्न क्षेत्रीय सलाहकार समिति की कार्य सत्र 2008–09 की द्वितीय बैठक का कार्यवृत्त

(सितम्बर 2009 को समाप्त अवधि)

दिनांक 05 व 06 नवम्बर 2009 को उत्तरी क्षेत्र की क्षेत्रीय सलाहकार समिति की कार्यसत्र 2008–09 की द्वितीय बैठक श्री रवीन्द्र कुमार सिंह, वरिष्ठ उपमहानिदेशक एवं विभागाध्यक्ष, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्र, लखनऊ की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

अध्यक्ष महोदय ने उपस्थित सदस्यों विशेषकर नए सदस्यों यथा सर्वश्री एच पी मिश्रा, जी सी भामरी, स प्र भारतीय तथा बलदेव सिंह जोकि पहली बार इस बैठक में शामिल हुए का स्वागत करते हुए दिनांक 30 अक्तूबर 2009 को कोलकाता में संपन्न विभागाध्यक्षों की बैठक की महत्वपूर्ण संस्तुतियों का विवरण प्रस्तुत किया। कार्यसत्र 2006–07 तक के लम्बित प्रतिवेदनों को को दिसम्बर 2009 तक पूरा कर जारी किया जाना है। पिछली तिमाही की समीक्षा में इस संबंध में स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। एन जी सीएम के प्रतिवेदनों को अंतरिम या पूर्ण करके जारी किया जाना है। अध्यक्ष महोदय ने निदेशकों से अनुरोध किया कि वे अपने अधीन अधिकारियों को अवगत करा दें कि यदि प्रतिवेदन निर्धारित समयावधि में पूरा नहीं हुए तो उनकी गोपनीय रिपोर्ट में प्रविष्टि कर दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि उपमहानिदेशक व विभागाध्यक्ष के कार्यालय को अनुमोदन के लिए प्राप्त प्रतिवेदन अच्छी स्थिति में नहीं होते यहॉ तक की सुझावों को सम्मिलित नहीं किया जाता। यह एक गंभीर मामला है निदेशक प्रतिवेदनों को अनुमोदन हेतु भेजने के पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि प्रतिवेदन सही दशा में है तथा सभी संशोधन समाहित कर दिए गए हैं।

दिनांक 22 व 23 जनवरी के बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि

श्री वी सी श्रीवास्तव, निदेशक तकनीकी समन्वय प्रथम ने पिछली बैठक का कार्यवृत्त सदन के पटल पर रखते हुए बताया कि यह पहले की वितरित किया जा चुका है।

विन्दुवार अनुवर्ती कार्यवाही के मदों पर चर्चा हुई। सदस्यों ने सूचित किया कि इन मदों पर कार्यवाही पूरी कर ली गई है। कार्यालयाध्यक्ष ने सूचित किया कि फरीदाबाद कार्यालय में प्रशासनिक अधिकारी की नियुक्ति कर दी गई है तथा छठें वेतेन आयोग की संस्तुतियों के अनुरूप सेवानिवृत्त कर्मचारियों के बकाए का भुगतान कर दिया गया है । निदेशक रसायन प्रभाग ने बताया कि कार्यसत्र 2001–02 के Li,Cs के लंबित विश्लेषणें को पूराकर परिणाम उपलब्ध करा दिए गए हैं। निदेशक भूभौतिकी ने बताया कि धरातलीय दरारों के एम ई क्यू आकडें उपलब्ध करा दिए गए हैं।

चूकि गत बैठक के कार्यृत्त पर कोई टिप्पणी नहीं थी अतः उसे पुष्ट कर दिया गया।

प्रशासन

श्री राजीव श्रीवास्तव , निदेशक एवं कार्यालाध्यक्ष ने प्रशासनिक एवं विधिक मामलों का विस्तृत ब्यौरा दिया। पेंशन के सात लंबित मामलो पर विस्तृत चर्चा हुई। कार्यालाध्यक्ष ने बताया कि विभागीय पदोन्नति समितियों की बैठके नियमित आयोजित की जा रही हैं। एसीपी के लिए समिति गठित कर दी गई है । समिति कागजातों की जॉच कर रही है यह कार्य 15 नवम्बर तक पूरा हो जाएगा। उन्होने

प्रशासनिक मामलों से संबधित लोगों के प्रश्नों का स्पष्टीकरण दिया। तथा बताया कि सभी रिक्त पद छ महीने के अन्दर भर दिए जांएगें।

श्री एस एम शिवहरे , सहायक लागत लेखाधिकारी लंबित मेडिकिल बिलों व बजट की समस्या पर चर्चा की।

श्री रमेश चन्द्रा , वेतन व लेखाधिकारी ने सदस्यों को भोजन बिल रास्ते के भोजन बिल के बारे में स्पष्टीकरण दिया।

अध्यक्ष महोदय ने कार्यालय प्रमुख व सहायक लागत लेखाधिकारी को लंबित पेंन्शन मामालों को वेतन व लेखाधिकारी के साथ चर्चा कर उनका निस्तारण करने का निर्देश दिया। उन्होने सहायक लागत लेखाधिकारी को परामर्श दिया कि वे व्यय विवरण माह की 6 तारीख तक प्रेषित कर दें।

(कार्यावाही : निदेशक ण्वं कार्यालयाध्यक्ष,)

तकनीकी कार्यों की समीक्षा

1.श्री वी.सी. श्रीवास्तव, निदेशक, तकनीकी परामर्श सेवा ने प्रभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया तथा प्रतिवेदनों के मूल्य निर्धारण के संबध में प्रकाश डाला। उन्होंने अनुरोध किया कि रिपोर्ट के साथ ही सेवा शुल्क प्रपत्र (प्राइसिंग शीट) भी प्रस्तुत की जानी चाहिए। उन्होने अनुरोध किया कि टी एल प्रयोगशाला द्वारा विशलेषित नमूनों का मूल्य केन्द्रीय मुख्यालय को अग्रेषण हेतु उपलब्ध कराए जाने चाहिए। अध्यक्ष महोदय ने मूल्यनिर्धारण हेतु समय सारिणी बनाने पर जोर दिया।

(कार्यावाही : निदेशक तकनीकी परामर्श सेवा प्रभाग,)

2. श्री वी.सी. श्रीवास्तव, निदेशक, फाटो भूविज्ञान प्रभाग ने प्रभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया तथा बताया कि जनशक्ति की कमी के कारण नई प्रायोजित परियोजनाओं को नहीं लिया जा रहा है।

3. श्री एस के घिल्डियाल निदेशक हिमालयन भूविज्ञान परियोजना ने परियोजना द्वारा किए जा रहे कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया ˙ अध्यक्ष महोदय ने निर्देश दिया कि गत कार्य सत्र के फोटोग्राफ शीर्षलेख सहित अपलोडिंग हेतु निदेशक भूऑकडा प्रभाग को उपलब्ध कराएं जांए।

(कार्यावाही : निदेशक हिमालयन भूविज्ञान परियोजना,)

4. श्री सी वी संगेवार, निदेशक हिमनद प्रभाग ने प्रभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया । खराब मौसम के चलते हुई दुर्घटना के संबध में अध्यक्ष महोदय ने सुझाव दिया कि इस प्रभाग के अधिकारियों को पर्वतारोहण का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए ताकि ऐसी दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रभाग एक पैम्पलेट जैसा कि अंटारकटिका प्रभाग ने तैयार

किया किया है प्रकाशन हेतु तैयार करे। अध्यक्ष ने इंगित किया कि यह कथन कि कुछ हिमनदों का प्रतिसरण अस्सी के दशक के पूर्व की अवधि में उसकी बाद की अवधि की तुलना में तीब्र था' जलवायु परिर्वतन के विषय पर पुनरावलोकन की आवश्कता को रेखांकित करता है। उन्होने जलवायु परिर्वतन अध्ययनों के लिए आबटित 15 करोड के बारे में पुछते हुए कहा कि केन्द्रीय मुख्यालय से समन्वय स्थापित कर इसका उपयोग किया जाए। लंबित प्रतिवेदन 15 नवम्बर तक पूरे कर दिए जांए।

(कार्यावाही : निदेशक हिमनद विज्ञान प्रभाग,)

5.श्री दिनकर श्रीवास्तव, निदेशक, शैलिकी प्रभाग ने प्रभाग की गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत की।श्री एस राजू व एम एस बोडास के लंबित प्रतिवेदन पर विशेष चर्चा हुई अध्यक्ष महोदय ने संबधित विभागाध्यक्षें को पत्र भेजने का सुझाव दिया।

(कार्यावाही : निदेशक तकनीकी समन्वय प्रभाग,)

6. श्री दिनकर श्रीवास्तव, निदेशक, व प्रभारी सामग्री प्रबंधन प्रभाग ने सामानो के क्रय के संबध में विवरण दिया। निदेशक तकनीकी समन्वय जम्मू के अनुरोध पर उनके कार्यालय के लिए फोटोस्टेट मशीन क्रय करने का निर्देश दिया तथा सुझाव दिया कि फील्ड उपयोग हेतु जीएम काउण्टर क्रय किए जांए। शैलिकी तथा सर्वे उपकरणों को आधुनिक तकनीकी से सुसज्जित किया जाए।

(कार्यावाही : निदेशक शैलिकी प्रभाग)

7. श्री वी पी मिश्रा निदेशक पुराजीवविज्ञान प्रभाग ने अपने प्रभाग के कार्यों का ब्यौरा देतु हुए बताया कि हिमालय के ताल शैलों से प्रथम बार भ्रूण जीवाश्म की पहचान की गई है।

8. श्री हर्ष गुप्ता, निदेशक, भूकम्प भूविज्ञान प्रभाग द्वारा किये जा रहे कार्यो की प्रगति पर प्रकाश डाला । श्री रामजीवन सिंह भूवैज्ञानिक वरिष्ठ ने रावी टीयर जोन के सक्रिय भ्रश अध्ययनों के सबध में प्रस्तुति दी। श्री बी डी थापा निदेशक नु सुझाव दिया कि अध्ययन क्षेत्र में मूरे थ्रस्ट संबंधी अनिश्चितता को दूर किया जाना चाहिए।

(कार्यावाही : निदेशक भूकम्प भूविाान प्रभाग)

9. श्री बी.के. बिसारिया, निदेशक मानचित्र कला प्रभाग द्वारा किये जा रहे कार्यो की प्रगति पर प्रकाश डाला । अध्यक्ष महोदय ने निर्देश दिया कि डिजीटाइजेशन के मासिक लक्ष्य निधारित किए जाने चाहिए।

(कार्यावाही : निदेशक मानचित्र व मानचित्र कला प्रभाग)

10. श्री एस सी मेहरोत्रा निदेश प्रकाशन प्रभाग प्रभाग की गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत की। तथा सदस्यों से अनुरोध किया कि वे एजीआर सामग्री दिसम्बर 2009 तक उपलब्ध करा दें । हिमालया के नवविवर्तनीक एटलस के प्रकाशन पर भी चर्चा हुई।

11. श्री इन्दु प्रकाश बाजपेई, निदेशक भूआंकड़ा प्रभाग ने अपने प्रभाग द्वारा किये जा रहे कार्य का विवरण प्रस्तुत किया तथा कम्पयूटर अनुरक्षण से संबधित दैनिक समस्यायों पर प्रकाश डाला। इन समस्यायों के निराकरण के लिए श्री कुलदीप काचरू, निदेशक भूऑकडा प्रभाग फरीदाबाद ने सुझाव दिया हमें कम्पयूटर विशेषज्ञ भर्ती करने चाहिए। सदस्यों के अनुरोध पर अध्यक्ष महोदय ने एण्टीवायरस साफटवेयर ततकाल लोड करने का निर्देश दिया। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि निदेशक भूआंकड़ा तथा तकनीकी समन्वय जम्मू कार्यालय का दौरा कर वहॉ की भूऑकडा प्रभाग की समस्या का निराकरण करें।

(कार्यावाही : निदेशक तकनीकी समन्वय व भूऑकडा प्रभाग)

12. श्री इन्दु प्रकाश वाजपेई, निदेशक भूसूचना प्रभाग, उत्तरी क्षेत्र, ने अपने प्रभाग द्वारा किये जा रहे कार्य का विवरण प्रस्तुत किया

13. श्री पंकज गुप्ता भूवैज्ञानिक प्रभाग के निदेशक का प्रतिनिधित्व करते हुए भूस्खलन आपदा जोनेशन परियोजना के कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया। सुरभी भूस्ख्लन जहॉ 4 –5 वेधन छिद्र किए गए हैं वहॉ प्रोब स्थापना के संबन्ध में जानकारी चाही। श्री गुप्ता ने बताया कि प्रोब केन्द्रीय मुख्यालय द्वारा उपलब्ध कराए जाने हैं उपलब्ध सूचना के अनुसार अभी तक मुख्यालय ने इन्हें क्रय नहीं किया है।

14. श्री अनिल मेहरोत्रा निदेशक, अभियांत्रिक भूविज्ञान प्रभाग, उत्तरी क्षेत्र, परियोजना में किये जा रहे कार्यो का विवरण दिया तथा भूतकनीकी प्रयोगशाला के कृत कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया।

15.डा आलोक कुमार, निदेशक, खनिज भौतिकी प्रभाग ने प्रयोगशाला की कार्यकुशलाता व उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। अध्यक्ष ने सुझाव दिया कि शिवालिक के भारी खनिजों की पहचान का कार्य कार्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए।

(कार्यावाही : निदेशक खनिज भैतिकी प्रभाग,)

16. श्री हौसला प्रसाद मिश्रा निदेशक समन्वय(भूभौतिकी) ने क्षेत्र में किये जा रहे भूभौतिकी अध्ययनों का विवरण प्रस्तुत किया। उन्होने बताया कि भारतीय सर्वेक्षण द्वारा स्थापित कार्यालय परिसर में स्थापित जीपीएस विगत दो माह से कार्य नहीं कर रहा है। इसकी सूचना विभाग को दे दी गई है।

17. श्री जय कमल निदेशक भूभौतिकी उपस्कर प्रभाग ने अपने प्रभाग भूभौतिकी उपकरणें के अनुरक्षणं का विवरण प्रस्तुत किया।

18. श्री बी डी थापा निदेशक, तकनीकी समन्वय प्रचालन जम्मू एवं कश्मीर ने प्रचालन जम्मू व कश्मीर में किये गये कार्यो का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। उन्होने बताया कि कार्यालय भवन का अनुरक्षण प्राथमिकता के आधार पर किया जाना है।

(कार्यावाही : निदेशक व संपर्क अधिकारी,)

19. श्री वी के माथुर, निदेशक, मानचित्र एवं मानचित्र कला प्रभाग प्रचालन जम्मू एवं कश्मीर ने कृत कार्य का विवरण दिया। उन्होंने बताया कि 34 अंकीकृत मानचित्रों में से 8 मानचित्र किनारों की मिलान आदि के उपरान्त सीडी के रूप में निदशक मानचित्र कला प्रभाग उत्तरी क्षेत्र को हस्तांरित कर दिए गए हैं शेष 26 शीघ्र ही तैयार कर प्रस्तुत कर दी जांएगी। अध्यक्ष ने निर्देश दिया कि शेष शीटें 15 नवम्बर 2009 तक प्रस्तुत कर दी जांए।

(कार्यावाही : निदेशक तानचित्र कला प्रभाग,)

20. श्री देश राज, निदेशक भूआंकड़ा प्रभाग जम्मू ने अपने प्रभाग द्वारा किये जा रहे कार्य का विवरण प्रस्तुत किया उन्होने बताया कि 34 अंकीकृत मानचित्रों में से 8 मानचित्र किनारों की मिलान आदि के उपरान्त पोर्टल अपलोडिंग हेतु हस्तांरित कर दिए गए हैं शेष 26 मानचित्र कला प्रभाग से प्राप्त होते ही तैयार कर अपलोडिंग हेतु प्रस्तुत कर दिए जांएगें। अध्यक्ष ने निदेशक भूऑकडा व मानचित्र कला प्रभाग जम्मू को को निर्देश दिया कि शेष शीटें 15 नवम्बर 2009 तक प्रस्तुत कर दी जांए।

(कार्यावाही : निदेशक भूऑकडा प्रभाग,)

21. श्री बलदेव सिंह, निदेशक विशिष्ट विषयक मानचित्रण परियोजना ने अपनी परियोजना के कृत कार्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करते हुए अनुरोध किया कि उन्हें एक अतिरिक्त अधिकारी की की आवश्यकता है। श्री ए. के मालवीय, निदेशक, तकनीकी समन्वय, फरीदाबाद ने इस परियोजना में श्योक टांग्से पटटी के लिए किए जा रहे ई पी एम ए अध्ययन का विवरण दिया। अध्यक्ष ने निर्देश दिया कि इस अध्ययन में पुराजलवायु परिर्वतन सहित जल क्रिया आदि के साक्ष्य भी एकत्र किए जाएं। अध्यक्ष महोदय ने यह भी निर्देश दिया कि गत कार्य सत्र के फोटोग्राफ शीर्षलेख सहित अपलोडिंग हेतु निदेशक भूऑकडा प्रभाग को उपलब्ध कराएं जांए।

(कार्यावाही : निदेशक विशिष्ट विषयक मानत्रिण)

22. श्री रघुबीर सिंह, निदेशक अभियांत्रिक भूविज्ञान प्रभाग,जम्मू ने प्रभाग में किये जा रहे कार्यो का विवरण दिया। अध्यक्ष महोदय ने क्वेजीगुण्ड रेलवे कार्य जिसके लिए एमओयू किया गया था की प्रगति के संबधं में जानकारी चाही तथा इस कार्य के सुचारू संपादन हेतु एक कार्य योजना तेयार करने की सलाह दी ताकि आवश्यकतानुसार अतिरिक्त जनशक्ति की ब्यवस्था संभव हो।

(कार्यावाही : निदेशक अभियांत्रिकी प्रभाग,)

23. श्री हरपाल सिंह सोधी निदेशक ,रसायन प्रभाग जम्मू ने प्रभाग में किये जा रहे कार्यो का विवरण दिया। अध्यक्ष महोदय ने निर्देश दिया कि 12 वीं पंचवर्षी योजना के अनुरूप उपकरण क्रय करने की कार्यवाही की जाए।

(कार्यावाही : निदेशक रसायन प्रभाग,)

24, श्री जोगिन्दर सिंह निदेशक , तकनीकी समन्व्य चंडीगढ ने प्रचालन में किए जा रहे कार्यो का विवरण दिया । अध्यक्ष महोदय ने निर्देश दिया कि कार्य सत्र 2006–07 तक के सभी प्रतिवेदन दिसम्बर 2009 तक पूरे कर लिए जांए।

(कार्यावाही : निदेशक तकनीकी समन्वय प्रभाग,)

25, श्री जोगिन्दर सिंह निदेशक , ने मानचित्र कला, परियोजना भूसूचना तथा परियोजना आरजीएम के कृत कार्यो का भी विवरण दिया । उन्होने बताया कि पंजाब के सभी मानचित्र पूरे कर उन्हें अपलोड कर दिया गया है। अध्यक्ष महोदय ने निर्देश दिया कि 53 एफ के चारों मानचित्रों को अपलोड करने के पूर्व उनकी त्रुटियां सुधार दी जांए।

(कार्यावाही : निदेशक मानचित्र कला प्रभाग,)

26. श्री एस सी कौरा , निदेशक खनिज अन्वेषण ने अम्बोटा – मोतीपुर नारंग क्षेत्र में किए जा रहे अनुसंधान कार्य का विवरण प्रसतुत किया। उन्होने बताया कि मोतीपुर में एक बोरहोल 10 मीटर की जोन में उत्साहवर्धक परिणाम प्राप्त हुए हैं। अध्यक्ष महोदय ने निर्देश दिया कि भण्डार का आकलन य ुएनएफसी पद्धति से किया जाना चाहिए। उन्होने वेधन की धीमी प्रगति पर चिन्ता ब्यक्त की।

(कार्यावाही : निदेशक खनिज अन्वेषण प्रभाग,)

27. श्री टी एस पांगती, निदेशक अभियांत्रिक भूविज्ञान प्रभाग ने प्रभाग में किये जा रहे कार्यो का विवरण दिया । उन्होने बताया कि कार्य सत्र 1999–2000 से 2005–07 तक की 34 लंबित रिर्पोटों में

से 22 को पूरा कर दिया गया है। अध्यक्ष महोदय ने निर्देश दिया कि लारजी जल वि्द्युत परियोजना का संकलन पहले ही पूरा किया जा चुका है तथा कोल बाध का पूरा होने वाला है अतः दोनो संकलनों को प्रकाशन हेतु प्रकाशन प्रभाग को शीघ्र प्रस्तुत किया जाए। इनकी एक प्रति सन्दर्भ हेतु पुस्तकालय को भी उपलब्ध कराई जाए।

(कार्यावाही : निदेशक अभियांत्रिकी प्रभाग,)

28. श्री जी सी भामरी निदेशक अभियांत्रिक भूविज्ञान प्रभाग ने प्रभाग में किये जा रहे कार्यो विशेषकर शाहपुरकंडी बाध पर किए जा रहे कार्य का विवरण दिया ।

29. श्री इन्दर सिंह निदेशक विशिष्ट विषयक मानचित्रण परियोजना ने परियोजना में किए जा रहे कार्य का विवरण दिया। उन्होने अतिरिक्त जनशक्ति उपलब्ध कराने का अनुरोध किया।

30. डा रेनु गुप्ता निदेशक रसायन प्रभाग ने प्रभाग में किए जा रहे कार्य का विवरण दिया। उन्होने अतिरिक्त जनशक्ति उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। अध्यक्ष महोदय ने 12 वीं पंचवर्षीय योजना के अनुरूप प्रयोगशला उन्नयन हेतु प्रस्ताव एक सप्ताह के अन्दर प्रस्तुत किया जाए।

(कार्यावाही : निदेशक रसायन प्रभाग,)

31. श्री ए. के मालवीय, निदेशक, तकनीकी समन्वय, फरीदाबाद ने तकनीकी समन्वय प्रभाग, फरीदाबाद कार्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया। अध्यक्ष महोदय ने निर्देश दिया कि शिवालिक परियोजना में कार्य करने वाले अधिकारियों की बैठक 20 दिसम्बर के पूर्व आयोजित की जाए ताकि वे गत वर्ष के कृत कार्य पर विचार विमर्श कर इस कार्यसत्र के कार्य हेंतु योजना तैयार कर सके।

(कार्यावाही : निदेशक विशिष्ट विषयक मानत्रिण)

32. श्री हरबंश सिंह निदेशक मानचित्र कला परियोजना में किए जा रहे कार्य का विवरण दिया।

33. श्री कुलदीप काचरू निदेशक भूऑकडा प्रभाग हरियाना ने प्रभाग में किए जा रहे कार्य का विवरण दिया। उन्होने बताया कि पश्चिमी क्षेत्र के मानचित्रों के साथ किनारों के मिलान संभव न हो सकी क्योंकि पश्चिमी क्षेत्र में चतुर्थ कल्पी अवसादों को वर्गीकृत नहीं किया गया है। अध्यक्ष महोदय ने निर्देश दिया कि यदि आवश्कता हो तो पुनःमानचित्रण कर इस समस्या का हल किया जाए।

34. श्री ए. के मालवीय, निदेशक, तकनीकी समन्वय, फरीदाबाद कृत कार्यों का संक्षिप्त विवरण दिया। उन्होने आरजीएम हरियाना के कार्यों का भी विवरण दिया। इसके साथ उन्होने ईपीएमए व टीएल /ओएसएल प्रयोगशाला द्वारा किए गए कार्यों का विवरण दिया। उन्होने बताया कि टीएल /ओएसएल द्वारा पश्चिमी हिमालया में हिमनद की सबसे पुरानी घटनाएं 95–100 हजार वर्ष की पाई गई हैं। अध्य क्ष महोदय ने 30 अक्तूबर की विभागाध्यक्षों की बैठक के प्रस्ताव के अनुरूप तोशम परियोजना को संकलित करके बुलेटिन के रूप में प्रकाशित किया जाए।

(कार्यावाही : निदेशक खनिज अन्वेषण

35. श्री अनवर हकीम, निदेशक, (भूभौतिकी) ने ने प्रभाग में किए जा रहे कार्य का विवरण दिया।

36. श्री सुमंत गुप्ता, उपमहानिदेशक, प्रचालन उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड द्वारा प्रचालन द्वारा कृत कार्य का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया गया। उन्होनु बताया कि विशिष्ट विषयक मानचित्रण परियोजना कार्य जोकि अभियान के आधार पर लिया गया है वह नवम्बर तक पूरा हो जाएगा।

37. डा यू पी गुप्ता निदेशक अभियांत्रिक भूविज्ञान प्रभाग उत्तराखण्ड ने प्रभाग में किये जा रहे कार्यो विवरण दिया । अध्यक्ष ने 10 दिनों के अन्दर टेहरी बाध की सफलता पर एक लेख पोर्टल हेतु तैयार कर 10 दिनों के अन्दर दिया जाए। उन्होने यह भी सलाह दी कि वरनावत भूस्खलन की अतिम रिर्पोट तुरन्त प्रस्तुत की जाए तथा इससे संबधित एक वृत्त चित्र तैयार किया जाए।

(कार्यावाही : निदेशक अभियांत्रिकी)

38. श्री पी एस मिश्रा भूवैज्ञानिक प्रभाग के निदेशक का प्रतिनिधित्व करते हुए ने खनिज अनुसंधान प्रभाग द्वारा कृत कार्य का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। अध्यक्ष महोदय ने निर्देश दिया कि मलेरी के पास मिलने वाले स्लैग का पालिश सेक्सन बनाकर उसका अध्ययन किया जाए।

(कार्यावाही : निदेशक खनिज अन्वेषण

39. श्री जे.एन. कुम्भकार, निदेशक (भूरसायन) प्रचालन पंजाब हरियाणा एवं हिमाचल प्रदेश फरीदाबाद ने प्रयोगशाला द्वारा कृतकार्य का विवरण प्रस्तुत किया।

40. श्री वी एन प्रचेता, निदेशक (भूरसायन) उततरी क्षेत्र ने प्रभाग द्वारा कृतकार्य का विवरण प्रस्तुत किया।

41. श्री एस सी गुलाटी उपमहानिदेशक फरीदाबाद ने रसायन प्रभाग के सभी निदेशकों को निदेश्कों को निदेश दिया कि वे पुराने अवशेष नूनों का विश्लेषण प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें। एनजीसीएम नमूनों के विश्लेषण हेतु बाहय स्रोत से जनशक्ति लेने पर विस्तार से चर्चा हुई। अध्यक्ष महोदय ने निर्देश दिया कि विश्लेषण के परिणाम ई मेल से संबधित परियोजना को भेजे जाए।

श्री सुमंत गुप्ता, उपमहानिदेशक, प्रचालन उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड द्वारा अध्यक्ष को धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समाप्त हुई

क्र.	नाम	पदनाम	हस्ताक्षर
1.	श्री रवीन्द्र कुमार सिंह	उपमहानिदेशक एवं विभागाध्यक्ष, उत्तरी क्षेत्र	
2.	श्री सुमंत गुप्ता	उपमहानिदेशक, प्रचालन उत्तर प्रदेश व उत्तराखण्ड, लखनऊ	
3.	श्री एस सी गुलाटी	उपमहानिदेशक फरीदाबाद	
4.	श्री एस सी कौरा	निदेशक, प्रचालन पंजाब, हरियाणा एवं हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़	
5.	श्री बृज कुमार	निदेशक, प्रचालन जम्मू व कश्मीर, जम्मू	
6.	श्री ए के मालवीया	निदेशक ,प्रचा. पंजा., हरि. एवं हिमा. प्रदेश, फरीदाबाद	
7.	श्री विष्णु चन्द्र श्रीवास्तव	निदेशक , तकनीकी समन्वय–I, उ.क्षे, लखनऊ	
8.	श्री पी एस मिश्रा. सिन्हा	भूवैज्ञानिक प्रचालन उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड	
9.	श्री विश्वनाथ प्रचेता	निदेशक, भूरसायन प्रभाग, उ.क्षे, लखनऊ	
10.	श्री जय नरायण कुम्हार	निदेशक, (भू.रसा.) फरीदाबाद	
11.	श्री जी.सी. श्रीवास्तव	निदेशक, (भूरसायन) लखनऊ	

12.	श्री राजन सिंह	निदेशक, (भू.रसा.) उ.क्षे.	
13.	श्री च.वि. संगेवार	निदेशक, हिमनद विज्ञान, प्रभाग, उ.क्षे, लखनऊ	
14.	श्री इन्दू प्रकाश बाजपेई	निदेशक,भूआंकड़ा प्रभाग	
15.	श्री अनिल मेहऱोत्रा	निदेशक, अभियांत्रिकी भूविज्ञान प्रभाग	
16.	श्री वी.पी. मिश्रा	निदेशक,पुराजीवविज्ञान	
17.	श्री बी.के. बिसारिया	निदेशक, मानचित्र एवं मानचित्र कला प्रभाग, उ.क्षे.	
18.	श्री राजीव श्रीवास्तव	निदेशक, एवं कार्यालयाध्यक्ष, उ.क्षे	
19.	डा. आलोक कुमार	निदेशक, खनिज भौतिकी प्रभाग, लखनऊ	
20.	श्री अनवर हकीम	निदेशक, भूभौतिकी, उत्तरी क्षेत्र, लखनऊ	
21.	श्री जय कमल	निदेशक	
22.	श्री हर्ष गुप्ता	निदेशक, भूकम्प भूविज्ञान प्रभाग, उ.क्षे. लखनऊ	
23.	श्री एस.सी. मेहरोत्रा	निदेशक, प्रकाशन प्रभाग	

24.	श्री जय प्रकाश यादव	भण्डार अधिकारी, सामग्री प्रबंध प्रभाग, लखनऊ	
25.	श्री ए.के. अग्रवाल	निदेशक	
26.	श्री राजेश्वर प्रसाद	प्रशासनिक अधिकारी	
27.	श्री दिनकर श्रीवास्तव	निदेशक, शैलिकी प्रभाग, उ.क्षे	
28.	श्री अनुप कुमार जौहरी	निदेशक, वेधन प्रभाग, उ.क्षे.	
29.	श्री श्याम मनोहर शिवहरे	सहा लागत लेखाधिकारी	
30.	श्री रमेश चन्द्रा	वेतन व लेखाधिकारी	
31.	श्री प्रेम कुमार यादव	भूवैज्ञानिक (व.) तकनीकी समन्वय – I, उ.क्षे	
32.	श्री अशोक कुमार वॉगू	भूवै. (वरि.) एवं रा.भा.अधि., प्रचा. पंजा., हरि. हिमा. प्रदेश, चण्डीगढ़	
33.	श्री सत्य प्रकाश भारतीय	निदेशक तकनीकी समन्वय	
34.	श्री प्रेम प्रकाश	भूवैज्ञानिक	
35.	श्री देश राज	निदेशक प्रचालन जम्मू कश्मीर	

36.	श्री विनोद कुमार माथुर	निदेशक प्रचालन जम्मू कश्मीर	
37.	श्री रघुबीर सिंह	निदेशक प्रचालन जम्मू कश्मीर	
38	श्री बी डी थापा	निदेशक प्रचालन जम्मू कश्मीर	
39	श्री इन्दर सिंह	निदेशक प्रचालन जम्मू कश्मीर	
40	श्री एस के घिल्डियाल	निदेशक परियोजना हिमालयन भूविज्ञान	
41	श्री पी एस पांगती	निदेशक अभियांत्रिकी भूविज्ञान चंडीगढ	
42	श्री कुमुद शर्मा	निदेशक अभियांत्रिकी भूविज्ञान	
43	श्री हरबंश सिंह	निदेशक मानचित्र कला प्रभाग	
44	श्री हौसला प्रसाद मिश्रा	निदेशक भूभौतिकी	
45	डा रेणु गुप्ता	निदेशक भूरसायन	
46	श्री शत्रुघ्न	उपनिंत्रक भण्डार	
47	श्री टी आर दास	प्रशासनिक अधिकारी	
48	श्री राजेन्द्र कुमार	भूवैज्ञानिक तकनीकी समन्वय	
49	श्री उपेन्द्र कुमार द्विवेदी	भूवैज्ञानिक तकनीकी समन्वय	
50	श्री विक्रम राय	सर्तकता अधिकारी	